हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर 2025

तापमान
अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

11 अग्रसेन का जीवन त्याग, सेवा और समाज...

12 सनातन धर्म आदर्श रामलीला क्लब किले वाली...

जींद। सोमनाथ मंदिर में लगे मेले में खरीदारी करते श्रद्धालु।

जींद। माता वैष्णवी धाम में मां की अराधना करते हुए श्रद्धालु।

मेले में श्रद्धालुओं ने की जमकर खरीदारी, आज जयंती देवी मंदिर में लगेगा मेला

शारदीय नवरात्र की छठ पर कात्यायनी देवी के दर्शन को उमड़ी भीड़

जींद। शारदीय नवरात्र की छठ पर रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवती दुर्गा तथा मां कात्यायनी के दर्शन कर सुखी जीवन की कामना की। नवरात्र की छठ के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मध्यरात्रि से ही सोमनाथ मंदिर, जयंति देवी मंदिर, भूतेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, रघुनाथ मंदिर में जमा होने शुरू हो गए।

> **श्रद्धालुओं ने मां कात्यायनी की पूजा कर मांगी मन्नतें**

नवरात्र के छठ के दिन कात्यायनी देवी के दर्शन का विशेष महत्व समझा जाता है। सोमनाथ मंदिर में मेले का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने यहां देवी भगवती के दर्शन किए। दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइनें लग गई। इस मौके पर मंदिर में उमडने वाली भीड़ को ध्यान में रखकर सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए थे। मंदिर प्रबंध समिति ने भीड़ को देखते हुए महिला तथा पुरूषों के लिए मंदिर प्रांगण में बेरीकेटिंग की थी। देवी भगवती की भव्य सजावट की गई और श्रद्धालुओं ने मंदिर के बाहर खरीदारी भी की।

सदा सबके लिए खुला है मां का द्वार : आचार्य पवन शर्मा

जींद। जयंती देवी मंदिर में मां जयंती की आरती करते हुए श्रद्धालु।

आचार्य पवन शर्मा ने माता वैष्णवी धाम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मां को पुकारो अबोध शिशु बनकर। मां को आना ही होगा, उन्हें हमें अपने आंचल में छिपाना ही होगा। वरिष्ठ एडवोकेट घनश्याम सिंघल व विरेंद्र लाठर, डा. संजय शर्मा, सुशील गुप्ता, सचिन गोयल, सुरेश कोचर ने सपरिवार मां की पूजा-अर्चना कर महायज्ञ में आहुति अर्पित की। आचार्य ने कहा कि बच्चा यदि खिलौनों में लगा रहे तो मां निश्चिंत होकर अपना घर का काम समेटती रहती है। किंतु बच्चा यदि उन खिलौनों को पटककर एकमात्र मां के लिए व्याकुल होकर रोने लगे, केवल मां-मां पुकारे और किसी बात को सुनना ही ना चाहे तब मां सब काम छोड़ दौड़ी चली आती है और उसके आंसू पौंछ कर उसे तुरन्त अपने आंचल में छिपा लेती है।

आज कुलदेवी जयंती के दरबार में होगा भव्य मेले का आयोजन

महाभारतकालीन जयंती देवी मंदिर में सप्तम नवरात्र के शुभारंभ के साथ मेले का आयोजन किया जाएगा। जींद की कुलदेवी होने के नाते शहर के तमाम लोग अपनी मन्नतों को पूरा कराने के लिए मां के दरबार में अर्जी लगाएंगे। मंदिर में हो रहे भव्य मेले की व्यवस्था को लेकर श्रद्धालु स्वयंसेवक के तौर पर जिम्मा संभालेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए मंदिर की ओर से प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। मंदिर पुजारी नवीन कुमार शास्त्री ने बताया कि मेले में जींद शहर के हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। व्यवस्था के लिए पुलिस और श्रद्धालु मोर्चा संभालेंगे।

खबर संक्षेप

कार ने मारी टक्कर सास और बहु घायल

जींद। जेल के निकट रोहतक रोड बाईपास पर तेजरफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार सास व बहु घायल हो गई। सुभाष नगर निवासी पुष्पा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी सास को स्कूटी पर लेकर गोहाना रोड की तरफ जा रही थी। जेल के निकट रेलवे ओवरब्रिज से उतरते ही तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों को काफी चोटें आई। घटना को अंजाम देकर कार चालक मौके से फरार हो गया।

फर्नीचर दुकान के एसी आउटर चोरी, केस दर्ज

जींद। सफीदों रोड फर्नीचर की दुकान से बीती रात चोरों ने तीन एसी आउटर तथा गद्दे चोरी कर लिए। शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव हैबतपुर निवासी मोहित ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उसकी सफीदों रोड पर फर्नीचर की दुकान है। बीती रात चोरों ने दुकान से तीन एसी आउटर व गद्दे चोरी कर लिए।

सर्विस सेंटर का टूटा ताला, सामान चोरी

जींद। गांव अहिरका के निकट बीती रात चोरों ने सर्विस सेंटर का ताला तोड़ कर इन्वर्टर, बैटरी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव अहिरका निवासी रोशनलाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने गांव के निकट सर्विस स्टेशन लगाया हुआ है। बीती रात चोरों ने स्विस स्टेशन का ताला तोड़ कर इन्वर्टर, बैटरी, तीन बिजली मोटरें, लोहे की पुली, नट, बोल्ट व अन्य सामान को चोरी कर लिया।

सीआरएसयू में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और विचारों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 13 प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विधि एमसीए, द्वितीय स्थान मुस्कान बीसीए तथा तृतीय स्थान प्रियंका एमएमसी भूगोल ने प्राप्त किया।

जिला स्तरीय राजस्व दिवस का आयोजन आज

जींद। डीआरओ राजकुमार ने बताया कि 29 सितंबर को प्रातः 10 बजे डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय राजस्व दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरूक्षेत्र की बाबैन तहसील से प्रदेश स्तर पर राजस्व विभाग के नए पोर्टल पेपर रहित रजिस्ट्री प्रणाली, पेपर रहित निशानदेही, व्हाट्सअस चैटबॉट, राजस्व न्यायालय गिनारानी प्रणाली का वीडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शुभारंभ करेंगे। इसका प्रसारण भी जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिखाया जाएगा।

70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग बने प्रेरणास्रोत

301 केंद्रों पर 6000 से अधिक शिक्षार्थियों ने दी उल्लास परीक्षा

- 16 वर्ष से ऊपर के निरक्षरों ने उत्साह के साथ दी परीक्षा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंडेला के प्रिंसिपल हंसवीर रेढू के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान ने गांव के करीब 200 लोगों के लिए सीखने के रास्ते खोले।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भारत सरकार के महत्वाकांक्षी उल्लास (नव भारत साक्षरता कार्यक्रम) कार्यक्रम के तहत रविवार को फाउंडेशनल साक्षरता और संख्या ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। जिले के 301 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 6000 से अधिक शिक्षार्थी शामिल हुए। जिनमें 16 वर्ष से ऊपर के निरक्षरों ने बड़े उत्साह और लगन के साथ भाग लिया।

बुजुर्ग में उत्साह

इस परीक्षा का मुख्य आकर्षण 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग रहे। जिन्होंने सुबह-सुबह ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर साक्षर बनने की अपनी अटूट ललक का प्रदर्शन किया। बुजुर्ग प्रतिभागियों ने बताया कि जीवन की परिस्थितियों के कारण वे बचपन में पढ़ाई से वंचित रह गए थे लेकिन सरकार की उल्लास जैसी योजनाओं ने अब उन्हें पढने-लिखने का अनमोल अवसर प्रदान किया है।

जींद। उल्लास कार्यक्रम के तहत रविवार को परीक्षा देते बुजुर्ग *फोटो : हरिभूमि*

साक्षरता से सशक्तिकरण की कहानियां

उल्लास समन्वयक शशिकांत ने कई केंद्रों का दौरा किया और शिक्षार्थियों की प्रतिक्रिया को दूसरों के लिए प्रेरणादायक और प्रेरक पाया। उन्होंने कहा कि साक्षरता से आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और समाज में सम्मान की प्राप्ति होती है। यह व्यक्ति को तकनीकी ज्ञान से जोड़ती है तथा महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच आसान बनाती है और सबसे बड़ी बातए यह पीढियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती है।

जन-जन साक्षर अभियान की ओर एक कदम

जिले में सभी शिक्षार्थियों ने प्रत्येक गांव के सामाजिक चेतना केंद्र और समर्पित स्वयंसेवकों की सहायता से गहन शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से खुद को तैयार किया। पिछले शैक्षणिक वर्ष में जींद जिले में 25,306 व्यक्तियों को उल्लास के तहत प्रमाणित किया गया था। जो जिले की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त और जिला शिक्षा अधिकारी करते हैं के मार्गदर्शन में सभी शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के सामूहिक प्रयासों ने वयस्क शिक्षा के क्षेत्र में यह बड़ी सफलता हासिल की है। उल्लास कार्यक्रम भारत सरकार के विकसित भारत मिशन का एक अभिन्न अंग है। जिसका लक्ष्य 2030 तक 100 प्रतिशत साक्षरता हासिल करना है।

कैथल में करीब 6 हजार ने दी परीक्षा

कैथल। परीक्षा का निरीक्षण करते सुरेश कुमार, निर्मल सिंह व अन्य।

कैथल। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उल्लास कार्यक्रम - जन-जन साक्षर- के तहत कैथल जिले में तीसरे चरण की परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में लगभग 6000 लर्नर्स ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजयलक्ष्मी ने सभी को शुभकामनाएं दी। जिला उल्लास समन्वयक निर्मल सिंह ने कहा कि आज जिन लर्नर्स ने परीक्षा में भाग लिया है। सुरेश शर्मा अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा निर्मल सिंह जिला उल्लास समन्वयक ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग तथा प्योदा में पहुंचकर परीक्षा का निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर उल्लास टीम, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, स्कूल प्रमुख, अध्यापक व सर्वेयर ने जिम्मेदारी से अपनी ड्यूटी निभाई और लर्नर्स को प्रोत्साहित किया।

निरक्षर रहना एक अभिशाप : ओमपति

गांव कंडेला से आई 55 वर्षीय ओमपति देवी की कहानी ने सभी को भावुक कर दिया। जिन्होंने जीवन में पहली बार कोई परीक्षा दी। उन्होंने इसे जीवन बदलने वाला अनुभव बताते हुए कहा कि सीखने ने मुझे विभिन्न रास्तों के लिए प्रकाश का मार्ग प्रदान किया। इस आधुनिकीकरण के युग में निरक्षर रहना एक अभिषाप जैसा है।

अनाज मंडी में धान की आवक धीमी, तैयारी पूरी

मंडी में बाजरा का भाव 2050 से 2181 रुपये प्रति क्विंटल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे की अनाजमंडी में धान की आवक धीमी हो रही है। मंडी में बाजरा का भाव 2050 से 2181 रुपये प्रति क्विंटल रहा। आज 39 क्विंटल बाजरा की आवक हुईए जिससे अब तक कुल 804 क्विंटल की आवक हो चुकी है। इसमें से 10 क्विंटल अनबिके स्टॉक में दर्ज है। कपास का भाव 6350 से 6500 रुपये प्रति क्विंटल रहा। हालांकि आज कोई आवक दर्ज नही हुई। अबतक कुल 32 क्विंटल कपास मंडी में पहुंची है। मंडी में पीआर डीबी और बासमती 1121 की कोई आवक नहीं रही। वहीं धान किस्म 1509 का भाव 2781 से 2931 रुपये प्रति क्विंटल रहा। आज 1233 क्विंटल धान 1509 मंडी में आया7 जिससे अब तक की कुल आवक 4829 क्विंटल हो गई। इसमें से 246 क्विंटल अनबिके स्टॉक के रूप में पड़ा है। पिछले वर्ष इसी दिन तक मात्र 155 क्विंटल धान 1509 की आवक हुई थी। कुल धान की आवक आज 1233 क्विंटल रही। अब तक का कुल आंकड़ा 4829 क्विंटल तक पहुंच चुका हैए जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। धान की लिफ्टिंग 2825 क्विंटल दर्ज की गई। मंडी में बाजरा और धान 1509 की आवक ने किसानों को राहत दी है।

सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए: कमेटी सचिव

जुलाना मार्केट कमेटी सचिव कोमिला ने बताया कि मंडी में किसानों के लिए बिजली पानी और सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मंडी में अभी तक पीआर धान नही पहुंचा है। मंडी में किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नही आने दी जाएगी।

युवक को जर्मनी की जगह रूस भेजा

कैथल। सीवन के गांव जुनेदपुर के युवक को जर्मनी भेजने के नाम पर 8 लाख 10 हजार की धोखाधड़ी कर ली। एजेंट ने युवक को जर्मनी भेजने का झांसा दिया, लेकिन उसे जर्मनी की बजाय रूस में भेज दिया। जुनेदपुर निवासी नीतू ने पुलिस को बताया कि उसका भाई कर्मचंद विदेश जाना चाहता था। उन्होंने एजेंट बिट्टू से बातचीत की। आरोपी ने उसके भाई को जर्मनी भेजने की बात कही और उसका पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज ले लिए। रुपए लेने के बाद आरोपी ने उसे जुलाई 2025 में भारत से रूस भेज दिया। काफी समय बीतने के बाद भी उसके भाई को जर्मनी नहीं भेजा तो उन्होंने एजेंट से बातचीत की। पहले तो एजेंट उनको आश्वासन देता रहा, लेकिन बाद में भाई को जर्मनी भेजने की बात से मना कर गया। अब भी युवक रूस में ही है। ऐसा करके आरोपी ने उनके साथ 8 लाख 10 हजार की धोखाधड़ी की है।सीवन थाना प्रभारी सुनीता ने बताया कि आरोपी एजेंट के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला से धोखाधड़ी करने का आरोपित तीन दिन के रिमांड पर

जींद। शहर थाना नरवाना पुलिस ने गहने दोगुणे करने को झांसा देकर महिला से आठ तौले सोने व चांदी के जेवरात हडपने के आरोपित को गिरफ्तार कर अदालत से तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। प्रेम नगर नरवाना निवासी राजीव ने गत 26 सितंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि गांव मोहलखेड़ा निवासी प्रवीण उसके घर आता-जाता रहता था। गत 15 जुलाई को प्रवीण मीटर रीडिंग के बहाने घर आया। आरोपित ने उसकी पत्नी को सोने के जेवरात दोगुणे करने का झांसा देकर आठ तोले सोने के जेवरात अपने साथ ले लिए। लंबा समय बीत जाने के बाद भी आरोपित ने जेवरात को वापस नही लौटाया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने राजीव की शिकायत पर प्रवीण के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था।

सोने के जेवरात दोगुने करने का झांसा दे आठ तौले सोना हड़पने का लगाया आरोप

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रवीण को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को तीन दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोपित से हड़पे गए जेवरात तथा अन्य धोखाधड़ी की वारदातों के बारे पूछताछ कर रही है।

कैथल पुलिस ने मात्र 12 घंटे में उजागर की झूठी लूट की कहानी

कैथल। पुलिस ने महज 12 घंटे में ही कथित लूट की घटना का पर्दाफाश कर दिया। शिकायतकर्ता ने खुद कहानी रची थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की 26 सितंबर को रात 7:27 बजे कंट्रोल रूम कैथल में सूचना मिली कि भूना-चीका रोड पर बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने गुरप्रीत सिंह पुत्र कुलवंत सिंह निवासी वार्ड-5, शक्ति नगर कैथल के सिर पर रॉड मारकर उसके बैग में रखे 2 लाख छीनकर फरार हो गए। एसपी उपासना ने तत्काल डीएसपी गुहला कुलदीप सिंह बेनीवाल की अध्यक्षता में विशेष जांच टीम गठित की।

टीम में थाना गुहला प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार, उप निरीक्षक रमेश कुमार (इंचार्ज स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट कैथल) सहित पुलिस के अनुभवी अधिकारी शामिल थे। थाना गुहला में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीमों ने पूरी रात घटनास्थल का निरीक्षण, तकनीकी साक्ष्य जुटाने, गवाहों से पूछताछ और संदिग्धों की पड़ताल में लगाई। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता गुरप्रीत सिंह, जो सुनार का कार्य करता है, को व्यापार में भारी घाटा हुआ था। इसकी भरपाई के लिए परिजनों से आर्थिक मदद पाने के उद्देश्य से झूठी लूट की कहानी गढ़ी थी। उसने स्वीकार किया कि उसके साथ किसी भी प्रकार की लूट या मारपीट की घटना नहीं हुई। शिकायत को झूठा पाए जाने पर अभियोग को खारिज कर दिया है तथा शिकायतकर्ता के विरुद्ध पुलिस को गुमराह करने और कानून का दुरुपयोग करने पर विभागीय नियम अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सामने आई सच्चाई, शिकायतकर्ता पर अब कानूनी कार्रवाई की होगी

1965 भारत-पाक युद्ध के वीर सेनानियों का सम्मान समारोह

जींद। गोहाना रोड स्थित शहीद स्मारक पर रविवार को 1965 में हुए भारत-पाक युद्ध की विजय का डायमंड जुबली समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जींद जिले के वो सब वीर सेनानी जिसने इस युद्ध में अपने जौहर दिखाकर दुश्मन देश को शिकस्त दी एवं उन वीर नारियों को जिनके बहादुर शौहरों ने 1965 युद्ध में भाग लिया था को यथोचित सैनिक सम्मान से नवाजा गया। समाज के 200 से अधिक सर्वजन ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कर्नल डी के भारद्वाज ने बताया कि कुल 58 वीर योद्धाओं और 11 वीरांगनाओं को सैनिक सम्मान प्रदान किए गए। वीर सैनिकों ने अपने लड़ाई के संस्मरण सांझा कर माहौल को राष्ट्र भक्तिमय बना दिया। पूर्व सैनिक कल्याण संगठन जींद ने कार्यक्रम का आयोजन किया और सीनियर सिटीजन फोरम जींद आयोजन सहभागी संस्था रही। अकादमी के डायरेक्टर धर्मदेव विद्यार्थी, मेजर जनरल अनिल चौधरी, पूर्व वीसी डा. अविनाश चावला समारोह के अतिथि रहे। इस मौके पर कैप्टन वेद बरसोला, सूबेदार मेजर जयपाल, सूबेदार मेजर रामकरण दलाल, सूबेदार जय भगवान आदि खास तौर पर मौजूद रहे।

डा. हरविंद्र राणा सीआरएसयू जींद के सांस्कृतिक परिषद के सदस्य नामित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. आरपी सैनी के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक गायक व युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के सांस्कृतिक निरीक्षक डा. हरविन्दर राणा को सीआरएसयू जींद विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद का सदस्य नामित किया गया है। इस चयन को लेकर सभी कलाकारों में खुशी की लहर है और इस पर डा. हरविन्दर राणा ने कुलपति का धन्यवाद किया और पूरी लगन व निष्ठा के साथ कार्य करने की बात कही। डा. हरविंदर राणा ने बताया कि इस चयन में कुवि के पूर्व छात्र डा. पूनम वर्मा, डा. सतीश बलमिया, डा. भूपेन्द्र मल्होत्रा का योगदान रहा है।

सभी का आभार जताया

युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला ने उन्हें बधाई और आशीर्वाद दिया। डा. हरविन्दर राणा का चयन उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान को देखते हुए किया गया है। । डा. राणा ने बताया कि अपने 22 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने जो भी संघर्ष किया और सांस्कृतिक गतिविधियों को विश्व स्तर तक पहुंचाया उसके पीछे उन पर हमेशा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय व कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा है। उन्होंने अपने सभी गुरुओं का आभार प्रकट किया।

संदेश स्वच्छोत्सव मनाने के लिए हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने निकाली रैली

रैली के माध्यम से स्वच्छता का दिया संदेश

छात्राओं ने स्वच्छता को हमेशा अपनाने के लिए संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदू कन्या महाविद्यालय की एनसीसी विंग की छात्राओं ने स्वच्छोत्सव मनाने के लिए एक दिन-एक घंटा एक साथ विषय पर एक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। इस रैली की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने एवं संचालन एनसीसी ऑफिसर अंजू व सदस्या डा. क्यूटी ने किया। इस रैली का उद्देश्य स्थानीय लोगों में स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। इस रैली में महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार से रैली को प्रारंभ किया व छात्राओं को स्वच्छता के समर्थन में अपना संबोधन दिया। स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त करनाए ठोस और तरल अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन करना और नागरिकों को स्वच्छता संबंधी व्यवहार बदलने के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके। यह अभियान न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि देश की छवि को भी बेहतर बनाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है।

जींद। जागरूकता रैली निकालते हुए छात्राएं।

नशे में वाहन चलाना जानलेवा अपराध

इस अवसर पर एनसीसी की प्रभारी अंजू ने कहा कि स्वच्छता का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। यह अभियान न केवल छात्राओं को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करेगा बल्कि समुदाय में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्राचार्या ने छात्राओं की सराहना की और छात्राओं ने भी स्वच्छता को हमेशा अपनाने के लिए संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में एनसीसी के 45 कैडेट्स ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में एनसीसी ट्रेनर ज्योति ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाजी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता

डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता

विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेडैं नहीं फिर छोडैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक

ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली

डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाज़ें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही ख़ूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक ख़बरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आनंद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने की लवकुश तीर्थ की सफाई

कैथल। हरियाणा शिक्षा विभाग पंचकूला व स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला तथा डाइट कैथल के सहयोग से राज्य के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुंदड़ी में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ऐतिहासिक स्थल के सफाई के लिए अभियान चलाया गया। प्रधानाचार्य व स्वयं सेवकों विद्यार्थियों के लिए रैली निकाली गई।

फकीर चंद ने सुनाया माता का भजन

कैथल। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन कैथल की मासिक बैठक वरिष्ठ नागरिक भवन कैथल के प्रांगण मे राम नारायण रावल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा का आगाज तीन बार गायत्री मंत्र के उच्चारण व छोटी सी प्रभु प्रार्थना से किया गया मंच का संचालन रोहित शर्मा महासचिव ने किया। फकीर चंद गर्ग ने माता का भजन सुना कर वातावरण भक्ति में कर दिया।

महिला ही परिवार की रीड होती है : कंचन

पूंडरी। पोषण माह के तहत महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय में पोषण माह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कंचन बाला ने की। परियोजना अधिकारी कंचन बाला द्वारा बताया गया कि इस बार पोषण माह का थीम स्वस्थ नारी और सशक्त परिवार है महिला ही परिवार की रीड की हड्डी होती है।

निःशुल्क एवं निष्काम संकीर्तन का आयोजन

कैथल। नवरात्रि पर आज प्रातः श्री साईं रसोई सेवा समिति ने भक्ति-भाव से ओतप्रोत संकीर्तन का आयोजन बत्रा निवास पर किया। यह संकीर्तन पूरी तरह निःशुल्क एवं निष्काम सेवा भाव से सम्पन्न किया गया। भजन गायक दर्पण शर्मा ने अपनी मधुर आवाज़ और भक्तिमय सुरों से वातावरण को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया। इस सेवा में समिति की प्रमुख सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

सांसद नवीन जिन्दल ने सुनीं मन की बात

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल ने आज कैथल हलके के क्योडक गांव के बूथ नंबर 17 पर ग्रामीणों और भाजपा कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। जिन्दल ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम हर नागरिक की भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाला माध्यम बन चुका है।

कमल सैनी को हलका अध्यक्ष की जिम्मेदारी

सीवन । सीवन निवासी कमल सैनी को सैनी महापंचायत कैथल में हल्का अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी मिलने पर कमल सैनी ने सैनी महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष राजेश दहिया और जिला अध्यक्ष रिंकू सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो भरोसा जताया है, उसे वे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

अवैध देसी कट्टा सहित एक आरोपी गिरफ्तार

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ ने थाना पूंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को काबू किया है। उसके कब्जे से अवैध देसी कट्टा 315 बोर बरामद हुआ। एचसी लखविंद्र सिंह की टीम गांव मोहना अड्डा पर मौजूद टीम ने दुसैन अड्डा रोड पर निगरानी की तो एक युवक को आता देख गुप्तचर ने उसकी पहचान रवि कुमार के रूप में की। पुलिस को देख आरोपी खेतों की ओर भागने लगा, घेराबंदी कर काबू किया।

खेत से तार चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। थाना ढाण्ड पुलिस ने गांव जडौला के खेतों से चोरी का प्रयास कर रहे दो आरोपियों को काबू किया है। जडौला निवासी गुलाब सिंह की शिकायत पर उन्होंने मुल्तान सिंह से खेत ठेके पर ले रखा है। 26 सितंबर की रात लगभग 7 बजे वह साथी प्रदीप कुमार के साथ खेत में पानी देखने गए तो खेत में दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। उन्होंने जडौला निवासी सतबीर उर्फ एण्डी व शेर सिंह को पकड़ा।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर किया हास्य कवि सम्मेलन

अग्रसेन का जीवन त्याग, सेवा और समाज उत्थान का प्रतीक : जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

अग्रवाल युवा सभा कैथल द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ भाई उदय सिंह किला कैथल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर तथा महाराजा अग्रसेन को पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इसके उपरांत समाज द्वारा सभी मुख्य अतिथि और अति विशिष्ट अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हास्य कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। प्रधान रामप्रताप गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि सांसद नवीन जिंदल समाज के सच्चे हितैषी और विकास के प्रतीक हैं। उन्होंने सदैव कैथल की जनता के लिए संघर्ष किया है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। गुप्ता ने कहा कि समाज की ओर से मांग है कि पेहोवा चौक का नाम बदलकर महाराजा अग्रसेन चौक रखा जाए, अग्रसेन सेवा सदन की स्थापना शीघ्र शुरू की जाए तथा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाए।

कैथल। सासंद नवीन जिंदल अग्रवाल युवा सभा कैथल द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में मंच पर बैठे हुए तथा उपस्थित जनसमूह

मुख्य अतिथि रहे सांसद नवीन जिंदल

कैथल नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि अग्रवाल युवा सभा कैथल कार्यालय, कमेटी चौक का 42 लाख रुपये की लागत से पुनर्निर्माण होगा, जिसके वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 10 लाख रुपये की लागत से बोढान मोहल्ला कैथल स्थित अग्रवाल धर्मशाला में एक भव्य हॉल भी तैयार किया गया है। अति विशिष्ट अतिथि घनश्याम सराफ ने कहा कि समाज की एकता और सेवा भावना ही हमारी असली पूंजी है। मुख्य अतिथि सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन का जीवन त्याग, सेवा और समाज उत्थान का प्रतीक है। अग्रवाल समाज ने हमेशा देशहित और लोकहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने समाज द्वारा रखी गई पेहोवा चौक का नाम बदलकर महाराजा अग्रसेन चौक रखने की मांग पर सभी को विश्वास दिलाया कि इस दिशा में हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। चेयरमैन रामकुमार बंसल ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि समाज के सहयोग और एकजुटता से ही ऐसे आयोजन संभव हो पाते हैं।

रावण ही बचा है ना कोई कंस बचा है

मंच संचालन संजय झाला द्वारा किया गया। श्रृंगार रस की कवियत्री पद्मिनी शर्मा ने कहा रावण ही बचा है ना कोई कंस बचा है और ना ही करवों का कहीं अंश बचा है, अपमान नारियों का जिस किसी ने भी किया जग में नहीं कभी भी उसका वंश बचा है। हास्य कवि राजेश अग्रवाल ने कहा यहाँ पर राम की खुशियों में खुश रहमान रहता है, जुड़ा जड़ और मिट्टी से यहां इंसान रहता है,यहां ना धर्म का बंधन न भाषाओं की है सीमा यहां सबके दिलों में एक हिंदुस्तान रहता है। श्रृंगार रस की कवियत्री मोनिका देहलवी ने कहा चाहत में तेरी ख़ुद को डुबोते चले गए, आंखों में तेरी खोए तो खोते चले गए, बस में कहां था मेरे कि मैं शायरी करु, कुछ शेर तेरी याद में होते चले गए। वीर रस के कवि योगेंद्र शर्मा ने कहा - घास की रोटी चबाकर भी कभी झुकते नहीं हम।चक्र है ध्वज में हमारे हारकर रुकते नहीं हम।इस तिरंगे की लहर में हौसला तूफान का है। ये स्वदेशी-आत्मनिर्भर दौर हिंदुस्थान का है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. विर्क, चेयरपर्सन नगर परिषद कैथल सुरभि गर्ग, अग्रवाल युवा सभा कैथल के प्रधान रामप्रताप गुप्ता, रामकुमार बंसल चैयरमेन, संजय बंसल उपप्रधान, मोहन लाल गुप्ता महासचिव, हिमांशु गोयल सहसचिव, सुभाष बंसल कोषाध्यक्ष व डा डीपी गुप्ता सम्मानित अतिथि, अरुण सर्राफ, प्रवीण कुमार अग्रवाल, राहुल गुप्ता,ऋषि पाल गोयल, सिकन्दर गुप्ता, रामनारायण गर्ग, रामनिवास मित्तल पार्षद, अनीश गुप्ता पार्षद प्रतिनिधि, विजय गर्ग पार्षद, अनिल खुरानिया पार्षद व अन्य अग्रबन्धु उपस्थित रहे।

कलायत में श्रद्धालुओं ने मां कात्यायनी शक्ति पीठ में की पूजा अर्चना

कलायत। कलायत के मां कात्यायनी शक्ति पीठ में पूजा करते श्रद्धालु।

कलायत। कलायत के प्राचीन कपिल मुनि मंदिर परिसर में स्थित मां कात्यायनी शक्ति पीठ अपने अंदर बड़ी धार्मिक मान्यताओं को समेटे है। इसलिए यह पीठ श्रद्धालुओं के विशेष आकर्षण का केंद्र है। मान्यता अनुरूप कपिल मुनि व मां कात्यायनी के नाम पर ही कलायत का नामकरण माना जाता है। इसके चलते देश-विदेश में रहने वाले कलायत के निवासी नवरात्रि अवसर पर मंदिर पहुंचने का निरंतर प्रयास करते हैं। पुजारी संजय शास्त्री ने बताया कि कात्यायनी नवदुर्गा के नौ रूपों में छठा रूप है। यह अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। यजुर्वेद व स्कंद पुराण में इसका मुख्य रूप से उल्लेख है। वे परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थी। सिंह पर आरूढ़ होकर मां ने इसी रूप में महिषासुर का वध किया था। वे शक्ति की आदि रूपा हैं।

सुरजेवाला ने किया श्री बाबा राजपुरी जी महाराज धाम के मुख्य द्वार का उद्घाटन

यहां महाराज तोतापुरी ने रामकृष्ण परमहंस को दीक्षा प्रदान की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल जिले के बाबा लदाना गांव में स्थित प्राचीन आध्यात्मिक केंद्र श्री श्री 1008 हिंगलाज सिद्ध श्री बाबा राजपुरी जी महाराज धाम के भव्य मुख्य द्वार का कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने उद्घाटन किया। कैथल के गांव बाबा लदाना स्थित प्राचीन और विश्व प्रसिद्ध डेरा बाबा राजपुरी जी महाराज धाम ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना। यह उद्घाटन धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।रणदीप सिंह सुरजेवाला ने विशेष रूप से पहुंचकर पूजा-अर्चना की व डेरा के वरिष्ठ महंत दुजपुरी महाराज जी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। सुरजेवाला ने इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताया, जो इस पावन भूमि की मिट्टी को माथे पर लगाने से ही चरितार्थ हो गया। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि यह धाम न केवल स्थानीय भक्तों का आस्था केंद्र है, बल्कि वैश्विक आध्यात्मिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

कैथल। सांसद रणदीप सुरजेवाला श्री बाबा राजपुरी जी महाराज धाम के भव्य मुख्य द्वार का उद्घाटन करते हुए।

रामलीला में हुआ भरत मिलाप का भावुक दृश्य

- श्री बाबा नारायण दास रंगमंच क्लब सीवन की ओर से कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

श्री बाबा नारायण दास रंगमंच क्लब सीवन के तत्वावधान में चल रही भव्य रामलीला में शनिवार को भरत मिलाप का मंचन किया गया। रामलीला में मंच का संचालन बंटी सैनी व जीत कामरा ने किया। रामलीला में सातवें दिन रामलीला में मुख्यातिथि के रूप में ब्लॉक समिति सदस्य हरदीप पुनिया एवं बूटा सैनी ने रिबन काट कर मंचन का शुभारम्भ किया। रामलीला के मंच पर भरत मिलाप का प्रसंग प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर हजारों की संख्या में जुटे दर्शक भावविभोर हो उठे। जब भरत का प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता से पुनर्मिलन हुआ तो पूरा वातावरण भक्ति रस में डूब गया और चारों ओर जय श्रीराम के जयघोष गूंजने लगे। इस मार्मिक दृश्य में भरत का त्याग और श्री राम का मर्यादा धर्म पालन देखकर दर्शकों की आँखों से आंसू छलक पड़े। मंच पर जब भरत ने प्रभु श्री राम से अयोध्या लौटने की विनती की और श्री राम ने पितृ आज्ञा व मर्यादा का स्मरण कर उन्हें समझाया, तो उस क्षण हर कोई भावुक हो उठा। श्री राम का रोल निभाने वाले जोगिंद्र शर्मा ने अपनी गंभीरता और सहजता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भरत की भूमिका में डॉ रामू ने विलक्षण अभिनय करते हुए सभा को भावुक कर दिया।

सीवन। रामलीला में मंच पर अभिनय करते कलाकार।

शहीद भगत सिंह जयंती पर फुटबॉल प्रतियोगिता

पूंडरी । पूंडरी इंडोर स्टेडियम में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर पूंडरी क्लब व खेल जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सरपंच लाभ सिंह जांबा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया, जबकि प्रतियोगिता की अध्यक्षता क्लब के प्रधान अजीत सिंह रायका ने की। मौके पर विशेष तौर पर ठेकेदार बलबीर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा आती है, उनमें खेल भावना का विकास होता है।खेल मुकाबलों में पहला सेमीफाइनल मुन्नारेहडी की टीम ने पूंडरी को 2-1 गोल से हराकर, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में फतेहपुर ने जड़ौला को 2-1 गोल से हराकर फाइनल में जगह बनाई। प्रतियोगिता में कोच कर्मवीर, देवेंद्र सिंह चीमा, सचिव भीम सिंह, दलेल सिंह, सुरेश कुमार, राजीव व राजेंद्र कोच और रेफरी की भूमिका परविंदर सिंह ने निभाई। इस मौके पर निधि मोहन, पूर्व पार्षद कीमत बंसल, बिल्लू भट्ट, गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की।मौके पर खिलाड़ियों और ग्रामीणों ने शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि दी।

पूंडरी। खिलाड़ियों के साथ मुख्यातिथि सरपंच लाभ सिंह जांबा व अन्य।

खबर संक्षेप

लक्ष्य निर्धारित कर उसको हासिल करने के लिए पूरी मेहनत करें : हीरा लाल शर्मा

कैथल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुहना में सेवा पखवाड़ा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्थानों में प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित किताबों का विद्यार्थियों में वितरण भी किया गया। इस मौके पर संस्थान के इंचार्ज हीरालाल शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग के बारे में जानकारी दी।

बुजुर्गों की दौड़ में बलवान रहा सबसे आगे

राजौंद। गांव नंदकरण माजरा के खेल स्टेडियम में 60 वर्षीय आयु वर्ग में 100 मीटर रेस, महिलाओं की मटका रेस 10 वर्ष से कम आयु वर्ग लड़के लड़कियां अलग-अलग रेस इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांव के सहयोग से व भगत सिंह युवा संगठन के साथियों द्वारा मिलकर यह कार्यक्रम भगत सिंह के जन्मदिन पर खेल प्रतियोगिता हुई। जिसमें सभी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान रस्साकसी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली राजेंद्र व साथियों की टीम रही, 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों की दौड़ में बलवान शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नपा अध्यक्षा-पार्षद ने किया ट्यूबवेल का शुभारंभ

सीवन। सीवन के वार्ड नंबर-12 में लंबे समय से खराब पड़े ट्यूबवेल नंबर 7 को नगर पालिका अध्यक्षा हेमलता सैनी और पार्षद मनीष कुमार मोंटी के अथक प्रयासों से जन स्वास्थ्य विभाग ने नया ट्यूबवेल लगाने का शुभारंभ किया गया। यह कार्य केवल विकास का प्रतीक नहीं बल्कि जनसेवा की मिसाल भी बना, क्योंकि इस पुनीत कार्य में गौशाला सेवा समिति सीवन ने अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए समाज के हित में बड़ा निर्णय लिया। गौशाला सेवा समिति के प्रधान नरेंद्र सैनी व उप-प्रधान पवन शर्मा, पाली सैनी व राम रतन सैनी ने कहा कि गौशाला सेवा समिति सिर्फ गौमाता की सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की हर जरूरत में आगे रहती है।

सीटू जिला कैथल का छठा सम्मेलन सम्पन्न

कैथल। सीटू जिला कैथल का छठ्ठा सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू हरियाणा राज्य उपप्रधान कामरेड सुरेन्द्र मलिक व समापन राज्य सचिव का कपूर सिंह ने किया। कॉमरेड सुरेंद्र मलिक ने कहा कि आज सहीदे आजम भगत सिंह का जन्मदिन है जिसने साम्राज्यवाद का खत्मा और समाजवाद की कल्पना के लिए अपना जीवन हंसते-हंसते निछावर कर दिया था। भगत सिंह और उसके साथी कहते थे मेरा देश आजाद होगा और एक ऐसा मुल्क बनेगा जिसमें ना कोई अनपढ़ न कोई बेरोजगार होगा और न कोई जाति धर्म का झगड़ा होगा।

श्रद्धालुओं ने की मां के चरणों की पूजा अर्चना

राजौंद। पावन नवरात्रों के सातवें दिन मंदिरों में मां के श्रद्धालुओं ने मां भगवती कात्यायनी के स्वरूप में मां के चरणों की पूजा अर्चना कर मंगल की कामना की। वैसे तो श्रद्धालु प्रथम नवरात्रे से ही मंदिरों में सुबह व सांय पूजा अर्चना के लिए भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। आचार्य बृजभूषण हरित ने बताया कि नवरात्रों के दौरान नौ देवियों की पूजा करनी चाहिए तथा घर में अखंड जोत जागृत करनी चाहिए। मां आदि शक्ति के ये नौ रूप सारे ब्रह्मांड को शक्ति देते है। आचार्य ने बताया कि नवरात्रा उपवास रखने वाले श्रद्धालु अष्टमी को कंजक पूजन के साथ अपना उपवास खोलते हैं।

मंडियों में लूट रहा है किसान: रामपाल माजरा

कैथल। इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि हरियाणा की अनाज मंडियों में किसान से सरेआम लूट हो रही है। धान की खरीद नहीं हो रही। खरीद के नाम पर किसानों को कम कीमत देकर धान को लूटा जा रहा है। अधिकारी व कर्मचारी मिले हुए हैं। जिस कारण किसान की लागत भी पूरी नहीं हो पा रही है। किसान हितैषी होने का दावा कर रही सरकार ने आंखें पूरी तरह से बंद कर ली हैं। माजरा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंडियों में किसानों से नमी के नाम पर 400 रुपये तक कम कीमत देकर पीआर धान की खरीद की जा रही है।

चोरी का सामान रिकवर कर जीता दिल

कैथल। एंटी व्हीकल स्टाफ टीम ने त्वरित कार्रवाई से पुलिस का मान बढ़ा दिया है। गांव भागल में हुए चोरी के एक मामले में एवीटी टीम ने न केवल छह आरोपितों को पकड़ लिया, बल्कि चोरी हुआ सात तोले सोना और 200 ग्राम चांदी भी 100 प्रतिशत रिकवर कर लिया। पुलिस की इस उपलब्धि पर रविवार को गांव भागल के ग्रामीणों ने एवीटी टीम को सम्मानित कर आभार जताया। यह मामला एक मई 2025 का है, जब गांव भागल निवासी लाल सिंह के घर से चोर सात तोले सोना और 200 ग्राम चांदी चुराकर ले गए थे। ग्रामीणों ने एसपी से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

श्रमिकों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध : लीलाराम

कैथल। पूर्व विधायक लीलाराम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी देश व प्रदेश में अनेक योजनाएं क्रियान्वित करके आम जनता तक योजनाओं का लाभ निरन्तर पहुंचा रहे हैं। हम सभी मिलकर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे हम हासिल करेंगे। पूर्व विधायक लीला राम रविवार को लघु सचिवालय में श्रमिक दिवस पर श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों को संबोधित कर रहे थे।

मेधावी विद्यार्थियों ने किया मोहाली का दौरा

राजौंद। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोगरी के साइंस विषय के मेधावी विद्यार्थियों ने द इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली के स्थापना दिवस पर भाग लिया। इस संस्थान में होने वाले रिसर्च के विभिन्न तरीकों को जाना और बड़े करीब से अपने हाथों से प्रयोग करके भी देखें। यह विद्यार्थियों के लिए अपने आप में एक अनूठा अनुभव रहा। इंस्टिट्यूट में उपस्थित वैज्ञानिकों ने बच्चों को विज्ञान विषय में रुचि पैदा करने के लिए किस तरह से उन्हें अपनी जिज्ञासा को बनाए रखना है और उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा खोज करने के लिए प्रेरित किया।

परुथी सर्वसम्मति से चौथी बार बने प्रधान

कैथल। पंजाबी सेवा सदन परिसर में पंजाबी सेवा सदन के प्रधान व कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के चेयरमैन कैलाश भगत, मुख्य संरक्षक इंद्रजीत सरदाना संरक्षक मंडल राज कुमार निझावन, योग राज बत्रा, तुलसी दास सचदेवा, ललित नरूला, कृष्ण नारंग व कवल तनेजा ने की। आए हुए सदस्यों का स्वागत मुख्य संरक्षक इंद्रजीत सरदाना व महासचिव संदीप मलिक ने किया। तीन साल का आय व्यय का ब्यौरा संस्था के कोषाध्यक्ष अशोक आर्य ने रखा। सभी सदस्यों ने आय व्यय ब्यौरे का समर्थन किया व पास किया।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में किया गया था दावा

बेबुनियाद निकले चेयरमैन कौल के भ्रष्टाचार के आरोप, पंचायत में खुला सच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मवीर कौल के गांव में विकास कार्यों को लेकर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप शुक्रवार को पंचायत में चर्चा का विषय बने। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दावा किया गया था कि गांव के कम्यूनिटी हॉल की दीवार निर्माण में घटिया ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस वीडियो के बाद गांव में पंचायत बुलाई गई ताकि आरोपों की सच्चाई सामने आ सके। पंचायत में गांव के मौजूदा सरपंच प्रतिनिधि और सभी पूर्व सरपंच भी मौजूद रहे लेकिन हैरानी की बात यह रही कि बार-बार बुलाने के बावजूद पंचायत में वह व्यक्ति पहुंचा ही नहीं, जिसने वीडियो बनाकर आरोप लगाए थे। गांव के चौकीदार और अन्य ग्रामीणों ने भी उसे कई बार बुलाया, लेकिन उसने पंचायत में शामिल होना मुनासिब नहीं समझा। जांच में यह साफ हुआ कि वीडियो में दिखाई गई दीवार वास्तव में कम्यूनिटी हॉल की नहीं बल्कि पंचायत की दूसरी दीवार थी। वहीं, जब वीडियो बनाने वाले को पता चला कि जिस ईंट को उसने घटिया बताकर वीडियो बनाया है, वे ईंटें उसके ही भट्ठे की हैं, तो आरोप हैं कि वीडियो बनाने वाले शख्स ने ठेकेदार को कॉल करके कहा कि ये ईंटें मेरे भट्ठे की हैं, लगवा लो, अब मैं इस पर वीडियो नहीं बनाऊंगा, चाहे दिन में लगाओ या रात को। इसकी एक ऑडियो क्लिप भी पंचायत में सुनाई गई, जिससे पूरा मामला साफ हो गया।

ढांड। जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मवीर कौल बैठक को संबोधित करते हुए।

चेयरमैन के पक्ष में विश्वास व्यक्त किया

चेयरमैन कर्मवीर कौल ने पंचायत में स्पष्ट किया कि गांव के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरे होंगे। ग्रामीणों ने भी माना कि बेबुनियाद आरोप लगाकर अफवाह फैलाने से गांव का माहौल खराब होता है और विकास कार्यों में अड़चन आती है। इस घटना के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर बिना तथ्यों के लगाए जाने वाले आरोपों को लेकर चिंता जताई और चेयरमैन के पक्ष में विश्वास व्यक्त किया।

पंचायत में उजागर हुए अहम तथ्य

पंचायत में मौजूदा सरपंच प्रतिनिधि और सभी पूर्व सरपंच मौजूद रहे।वीडियो बनाने वाला पंचायत से बार-बार बुलाने पर भी नहीं पहुंचा। गांव के चौकीदार और ग्रामीणों के बुलाने पर भी आरोप लगाने वाला अनुपस्थित रहा। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिखाए गए ईंटें उसी व्यक्ति के भट्ठे की थीं। पंचायत में ऑडियो क्लिप सुनाई गई, जिसमें वीडियो बनाने वाला कह रहा है कि ये ईंटें मेरे भट्ठे की हैं, लगवा लो, अब मैं वीडियो नहीं बनाऊंगा। जांच के दौरान यह सामने आया कि जिन ईंटों को निर्माण कार्य में इस्तेमाल की ईंटें बताकर वीडियो में भ्रम फैलाया गया था, उनका एस्टिमेट और ड्रॉइंग में कोई जिक्र ही नहीं है। ठेकेदार ने पंचायत में स्पष्ट किया कि इन ईंटों का उपयोग केवल बीम बांधने में किया जा रहा है, न कि दीवारों या मुख्य निर्माण में। इसके अलावा, वीडियो बनाने वाले ने न तो कभी जेई, एसडीओ और न ही किसी अन्य अधिकारी से इस विषय पर बात की। वहीं, जब उसे पता चला कि ईंटें उसी के भट्ठे से आई हैं, तो उसने खुद ठेकेदार के साथ हुई बातचीत में स्वीकार किया कि अब वह इस विषय पर कोई वीडियो नहीं बनाएगा। पंचायत में उसकी एक ऑडियो क्लिप भी सुनाई गई।

खबर संक्षेप

मन की बात को विधायक ने कार्यकर्ताओं संग सुना

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात के कार्यक्रम को सुना। करसिंधु के बूथ नंबर 73 पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हर महीने के आखिरी रविवार को देश की महान विभूतियों का परिचय देश के सामने लाते हैं।

शिविर में 32 युवाओं ने किया रक्तदान

जींद। युवा विकास समिति द्वारा शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती पर अग्रवाल धर्मशाला अर्बन स्टेट जींद में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डा. राज सैनी ने शिरकत की। प्रधान प्रदीप के अनुसार रक्तदान करने से हृदय रोग का खतरा कम होता है।

उचानाः खिलाड़ियों को खेल किट की वितरित

उचाना। बाबा प्रेमनाथ खेल अकादमी उचाना मंडी की खिलाड़ियों को समाज सेवी एवं आढ़ती मनीष मखंड द्वारा लड़कियों को खेल किट वितरित की। मखंड ने कहा कि खेलों में बेटियां बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने लगी है ये भविष्य के लिए अच्छे संकेत है। जिस खेल में रूचि हो वो खेल खेलना चाहिए। भविष्य में भी हर संभव मदद अकादमी को मुहैय्या कराने का आश्वसन दिया।

छात्राओं के लिए किया लाइब्रेरी का शुभारंभ

जींद। सेवा भारती जींद द्वारा रविवार को संतोष पवन बंसल सेवा सदन अपोलो रोड पर अत्याधुनिक लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रातः हवन.पूजन संपन्न हुआ। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश के लेखा प्रमुख एडवोकेट रवींद्र सिंह ने बताया कि सेवा भारती हरियाणा प्रदेश में 600 से अधिक सेवा प्रकल्पों के माध्यम से उपेक्षित एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

उचानाः पिता की पुण्य तिथि पर भेंट किए पंखे

उचाना। अलीपुरा गांव में गौशाला में प्रमुख समाज सेवी एवं आढ़ती जितेंद्र श्योकंद ने अपने पिता बलबीर की पुण्य तिथि पर 11 पंखे गौशाला में भेंट किए। वीरेंद्र प्रधान ने बताया कि लायंस क्लब उचाना की अगुवाई में गौशाला में पंखों को भेंट करने के लिए टीम पहुंची। हर एक को चाहिए कि वो बुजुर्गों की याद में एवं परिवार की खुशी में गौशालाओं में दान करें।

महिला काव्य मंच ने आयोजित की गोष्ठी

जींद। महिला काव्य मंच जींद इकाई व अखिल भारतीय साहित्य परिषद जींद इकाई के संयुक्त तत्वावधान में नवरात्र पर्व पर श्रद्धाभाव से परिपूर्ण काव्य संगोष्ठी का आयोजित कर जगत जननी मां अम्बे की दिव्यता व महिमा पर प्रकाश डाला। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मकाम इकाई की राष्ट्रीय महासचिव सीमा शर्मा उपस्थित रही। जबकि अध्यक्षता डा. जगदीप शर्मा राही ने की।

सनातन धर्म आदर्श रामलीला क्लब किले वाली में राम बनवास की लीला ने मोहा दर्शकों का मन

केवट भूमिका में कपिल ने दर्शकों की आखों को किया नम, बड़ी संख्या में रामलीला देखने पहुंच रहे लोग

> रामलीला सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का माध्यम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। मंच पर केवट के किरदार में अभिनय करते हुए कपिल व रामलीला मंच पर अभिनय करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

सनातन धर्म आदर्श रामलीला क्लब किले वाली के मंच मंचित राम बनवास की लीला ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। जिसमें भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के वनवास की भावुक घटना को जीवंत रूप से दिखाया गया। दर्शकगण इस दृश्य पर इतने भावुक हो उठे कि कईयों की आंखें नम हो गईं।

रामलीला का यह प्रसंग जो रामायण के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आधारित है। जहां राजा दशरथ के पुत्र राम को 14 वर्ष का वनवास मिलता है ने मंच पर एक अलग ही जादू बिखेरा। केवट के किरदार में कपिल मनोचा का अभिनय सराहनीय रहा। केवट के रूप में उन्होंने राम के चरण धोने और नाव पार कराने वाले प्रसंग को इतने भावपूर्ण ढंग से निभाया कि दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। मनोचा की संवाद अदायगी और भाव भंगिमाओं ने केवट के सादगी भरे चरित्र को जीवंत कर दिया। कमेटी प्रधान रवि गुम्बर ने बताया कि कपिल का केवट इतना सजीव था कि लग रहा था जैसे रामायण के पात्र जीवित हो उठे हों। यह रामलीला न केवल मनोरंजन देती है बल्कि धार्मिक मूल्यों को भी जीवंत करती है। वनवास का दृश्य देखकर बचपन की यादें ताजा हो गईं और आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने कहा कि यह रामलीला न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का माध्यम है बल्कि समुदाय को एकजुट करने का भी है।

नरवाना पुरानी अनाज मंडीः पंचवटी में राम, लक्ष्मण को देख पहुंची शूर्पनखा

नरवाना। पुरानी अनाज मंडी में श्री रामा भारतीय कला केंद्र द्वारा रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। मंच पर सूर्पनखा-लक्ष्मण संवाद, पंचवटी, रावण दरबार, राक्षसों की मस्तियां व लक्ष्मण-सीता संवाद के सीन दिखाए गए। मंच संचालन शैलेंद्र मोहन गर्ग द्वारा किया गया। रामलीला मंचन में दिखाया गया कि भगवान राम, सीता और लक्ष्मण वनों में आगे की और चलते हैं और विश्राम के लिए पंचवटी में रूक जाते हैं। वहां इन तीनों को देख रावण की बहन शूर्पनखा भी पहुंच जाती है। वह सुंदर नारी के रूप में उनके सामने पेश हो जाती है। सबसे पहले वह भगवान राम के सामने अपनी शादी का प्रस्ताव रखती है और उन्हें शादी के लिए मनाने पर हर तरह प्रयास करती है लेकिन भगवान राम उसके प्रस्ताव को ठुकरा देते हैं। भगवान राम कहते हैं वह अपनी अर्धांग्नि सीता के साथ यहां पर आए हैं। अगर भाई तुम्हारे प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं तो उनके पास जा सकती हो। फि र शूर्पनखा लक्ष्मण पर भिन्न-भिन्न तरीकों से डोरे डालकर शादी के लिए अपनी बात को रख देती है। शूर्पनखा और लक्ष्मण के बीच कड़ा संवाद हो जाता है। लक्ष्मण शूर्पनखा के सामने ही उसके भाई रावण की भी बेइज्जती करने लगता है। जिसको शूर्पनखा सहन नहीं कर पाती और गुस्से में लक्ष्मण को जिंदा नहीं जाने की धमकी देती है। शूर्पनखा के जाते-जाते लक्ष्मण उसे रोककर उसकी नाक को काट देता है। वह रोती-चिल्लाती हुई चली जाती है। फिर बाद में वह अपने भाई खर और दूषण के पास पहुंती है और अपनी आपबीती बताती है। खर गुस्से में राम और लक्ष्मण के साथ युद्व का ऐलान कर सेना को लेकर चला जाता है। फिर भगवान राम उनका वध कर देते हैं। शूर्पनखां बाद में रावण दरबार में पहुंच जाती है और रावण उससे रोने का कारण पूछता है फिर घटी हुई घटना को बताती है।

भाकियू की जिला कार्यकारिणी का गठन अमित प्रधान मनोनित

जींद। गांव ईगराह में भारतीय किसान यूनियन की बैठक बलबीर की अध्यक्षता में हुई। मुख्यातिथि के रूप में जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार ने शिरकत की। उनकी मौजूदगी में गांव स्तर की कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक दलबीर, प्रधान अमित, उपप्रधान विनित, सचिव मंजीत, कोषाध्यक्ष रोहित, प्रचार सचिव कुलदीप, प्रवक्ता अमित, सदस्य कर्मपाल, अंकित व सलाहकार अनिल पंडित को चुना गया। वहीं गांव के नरेश व जयभगवान को जिला कमेटी के लिए नियुक्त किया गया। जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन ने जिला में ग्रामीण स्तर पर कमेटी को मजबूत करने के लिए कार्यकारिणी बनाने का निर्णय लिया है। उनका प्रयास है कि किसानों की समस्याओं का समाधान हो।

राष्ट्र के विकास की आत्मा है श्रमिक वर्ग : डा. कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

हरियाणा भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम में गुरूग्राम में आयोजित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रदेश कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि राष्ट्र के विकास की आत्मा श्रमिक वर्ग है। इस अवसर पर जींद के एसडीएम सत्यवान सिंह मान, श्रम विभाग के सहायक निदेशक नरेंद्र सिंह मान व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

■ डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मान एवं जागरूकता समारोह

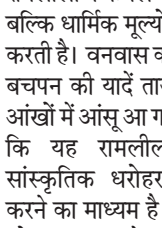

दुनिया में मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं : बेदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। रक्तदान से बड़ा कोई दूसरा दान नहीं हो सकताए क्योंकि यह किसी व्यक्ति को नई जिंदगी देने का काम करता है। रक्तदान एक ऐसा पवित्र कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिल सकता है। विज्ञान और तकनीक की आज की आधुनिक दुनिया में भी मानव रक्त का कोई विकल्प तैयार नहीं किया जा सका है। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को गांव सुलेहड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सेवा पखवाड़ा के तहत शहीद ए आजम भगत सिंह जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वयं रक्तदानियों को बैज लगाकर सम्मानित किया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस शिविर में 41 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रक्तदाताओं को बैज लगातेमंत्री बेदी।

ये रहे मौजूद

बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। बेदी ने गांव सुलेहड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वच्छता अभियान में स्वयं भाग लिया और हाथ में झाड़ू लेकर परिसर की सफाई की। मौके पर मंडल अध्यक्ष सत्यवान शर्मा, सुरेंद्र प्रजापति, भीम दनौदा, बैसाखी राम सैनी, पूर्व विधायक पिरथी सिंह नम्बरदार, कर्मबीर सैन, डा. जयपाल, प्रकाश गर्ग, सुषमा रानी, गुरमीत सिंह उपस्थित रहे।

स्वयं के रोजगार को आगे आएं युवा : कृष्ण बेदी

उचाना। शिवानिया पब्लिक स्कूल के पास चौ. फतेह सिंह मिल्क प्लांट के आऊटलेट के शुभारंभ में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी पहुंचे। राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कृष्ण बेदी ने कहा कि स्वयं का रोजगार की जो शुरूआत की गई है वो सराहनीय है। इस तरह से स्व-रोजगार को बढ़ावा मिलता है। हर किसी को चाहिए कि वो जो सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं है उनका लाभ उठाए। इस मौके पर देवेंद्र कंदौला, नफे सिंह खटकड़, विकास खटकड़ सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अग्रोहा धाम में लगने वाला मेला समाज की एकता का महापर्व : राजकुमार गोयल

जींद। अग्रोहा धाम अग्रोहा के प्रदेश प्रेस प्रवक्ता एवं समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने कहा कि आगामी सात अक्टूबर को अग्रोहा धाम अग्रोहा में एक ऐतिहासिक विशाल और भव्य राष्ट्रीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी जातियों और धर्मों के लाखों श्रद्धालु बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। गोयल रविवार को गांधी नगर में अग्र बंधुओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। गोयल ने बताया कि इस राष्ट्रीय मेले में महा ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी, भजन गायक कन्हैया मित्तल, जी मीडिया ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा, कई राज्यों के कैबिनेट मंत्री, अग्रवाल समाज के कई राष्ट्रीय नेता प्रमुख तौर पर शिरकत करेंगे।

यह राष्ट्रीय मेला अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग की देख रेख में आयोजित किया जा रहा है। इस दिन सात अक्टूबर को सुबह शक्ति सरोवर स्नान, भव्य कलश यात्रा, छप्पन भोग का कार्यक्रम रहेगा। इसी दिन दोपहर को भंडारे का आयोजन होगा। उसके बाद ध्वजारोहण के साथ विशाल

पांच को कांग्रेस की सद्भाव यात्रा दनौदा से होगी शुरू : बीरेंद्र सिंह

■ बोले-सद्भाव यात्रा को सात भागों में बांटा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

नरवाना। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पांच अक्टूबर को नरवाना क्षेत्र के दनौदा गांव से कांग्रेस सद्भाव यात्रा शुरू करेगी। इस यात्रा में रणदीप सिंह सुरजेवाला, कुमारी शैलजा, सतबीर दबलैन व कई सामाजिक संस्थाओं के लोग भी भाग लेंगे। यह यात्रा दो दिन तक नरवाना में रहेगी। बीरेंद्र सिंह रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह यात्रा नरवाना क्षेत्र के दनौदा से शुरू होकर सच्चाखेड़ा, बडनपुर, सुंदरपुर, बद्दोवाला होते हुए नरवाना शहर में आएगी और रात्रि विश्राम नरवाना की जाट धर्मशाला में होगा। अगले दिन यात्रा का शुभारंभ बेलरखा गांव से होगा। जिसमें उझाना, नेपेवाला, धनौरी, कोयल इस तरह से यात्रा का दो दिन नरवाना होगा।

बीरेंद्र सिंह राजनीतिक ज्योतिषी होते तो अपना भविष्य देखते : सुभाष बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭ उचाना

उचाना। शहीद भगत सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। ! फोटो : हरिभूमि

भाजपा राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने चौधरी बीरेंद्र सिंह और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के खुद को राजनीति का ज्योतिषी बताने वाले वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी।

सांसद ने कहा कि यदि बीरेंद्र सिंह ज्योतिषी होते तो पहले अपना और अपने परिवार का राजनीतिक भविष्य देखते। बराला ने कांग्रेस पर भी आपदा के बाद मुआवजा न देने का आरोप लगाया, कहा कि कांग्रेस राज में केवल अपने चहेतों को मुआवजा दिया जाता था। राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर बराला ने कहा कि भाजपा को वोट चोरी की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों के दिलों में बसते हैं और उनकी सेवा करके उनके दिल जीतते हैं। भाजपा राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री उचाना की ब्राह्मण धर्मशाला में शहीद भगत सिंह जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर और रोजगार मेले में शामिल हुए।

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में भगत सिंह जयंती और खेल महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

■ नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल के प्रांगण में विशेष दिन का आयोजन किया गया जिसमें महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह की जयंती के साथ-साथ नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए रंगारंग खेल महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। पूरे दिन चले इस कार्यक्रम में छात्र.छात्राओं ने देशभक्ति की भावना और खेल प्रतिभा दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। दिन की शुरुआत महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह की जयंती के उत्सव से हुई। समारोह की शुरुआत शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों ने भगत सिंह के जीवन पर आधारित एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया जिसमें उनके बचपन से लेकर शहादत तक की गाथा को बेहद मार्मिक तरीके से दिखाया गया। उसके बाद खेल महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार अनेक खेलकूद की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें 100 मीटर दौड़ए रिले दौड़ए शॉट पुटए वॉलीबॉलए बैलेंस ऑफ बलूनए ऊंची कूदए गेंद फेंकनाए रस्साकशी और कई मनोरंजक खेल शामिल थे। नर्सरी से यूकेजी के खिलाड़ियों ने नन्हे कदमों से मन मोह लिया।

सृष्टि फाउंडेशन दो अक्टूबर को आयोजित करेगी डांडिया उत्सव

जींद। शहर की सामाजिक संस्था सृष्टि फाउंडेशन द्वारा गोहाना रोड स्थित राजमहल फार्म हाउस पर दो अक्टूबर को डांडिया उत्सव का आयोजन किया जाएगा। सृष्टि के प्रवक्ता बलविंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पंजाबी, राजस्थानी और हरियाणा गानों पर परिवार के सदस्य डांडियाए,गरबा खेलेंगे। यह कार्यक्रम पूरी तरह से पारिवारिक होगा। सृष्टि संयोजक डा. विवेक सिंगला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान तरह-तरह के पुरस्कार भी वितरित किए जाएंगे। बेहतरीन जोड़ी, बेहतरीन डांस, बेहतरीन ड्रेस सहित अन्य गतिविधियों के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। 25 से अधिक पुरस्कारों के अलावा डिनर का भी प्रबंध किया जाएगा। प्रधान प्रमोद बंसल, उपप्रधान सुनील गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य माता-पिता विहिन एक बच्चे के आंखों के मैंगेपन की सर्जरी करवाई जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

मजबूत कार्यकर्ताओं की फौज है जेजेपी, बदलाव के लिए जुट जाएं कार्यकर्ता: चौटाला

कृषि पर विकास शुल्क लगाने जैसी योजना बनाने में व्यस्त सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला।

जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जननायक जनता पार्टी मजबूत कार्यकर्ताओं की फौज है। भाजपा सरकार की खराब नीतियों से आज प्रदेश का जन-जन परेशान है।

जनहित में प्रदेश में बदलाव लाने के लिए जेजेपी का एक-एक मेहनती कार्यकर्ता अभी से संघर्ष में जुट जाए और जेजेपी कार्यकर्ताओं का संघर्ष ही आने वाले समय में जरूर परिवर्तन लेकर आएगा। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला रविवार को जींद में जेजेपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। अजय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की कमर तोडने का काम कर रही है। सरकार के पास किसानों को राहत पहुंचाने की कोई योजना नही है। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों से विकास शुल्क वसूलने की तैयारी में जुटी हुई है। इस पर पार्टी की नजर है।

यह रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि सरकार के ऐसे फैसले साफ दर्शाते हैं कि सरकार का इरादा किसानी खत्म करना है। भाजपा सरकार अगर किसानों की हितैषी होती तो बिना देरी बाढ़ और जलभराव पीड़ितों को मुआवजा जारी करती लेकिन सरकार तो किसानों को कमजोर करने के लिए नई-नई योजना बनाने में व्यस्त है। अजय चौटाला ने कहा कि जीएसटी राहत के झूठे गुणगान में लगी भाजपा सरकार ये बताए कि पिछले आठ सालों में जनता से कितना जीएसटी वसूला। उसका रिकॉर्ड सांझा करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में निरंतर भ्रष्टाचार, अपराध, बेरोजगारी बढ़ी है। इसलिए जनविरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ सभी एकजुट होकर बदलाव लाएं। बैठक में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला और जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बृज शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को जेजेपी से जोडने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, जिला प्रधान जोरा सिंह डूमरखां, पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, कृष्ण राठी, सुनील कंडेला, विकास सिहाग, गुरदीप सांगवान, विकास जांगड़ा, सुनीता दुल, वीरेंद्र सहित अनेक जेजेपी नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।